भारत सरकार **लोक सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 2549**

वाणिज्य विभाग

दिनांक 05 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

रबर का उत्पादन

2549. श्रीमती डी. के. अरुणा:

श्री चमाला किरण कुमार रेड्डी:

श्री इटेला राजेंदरः

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या घरेलू प्राकृतिक रबर (एनआर) का विशेष रूप से पूर्वोत्तर जैसे गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में उत्पादन में तेजी लाना राष्ट्रीय प्राथमिकता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और आज की तारीख तक क्या कदम उठाए गए हैं और क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं; और

(ख) क्या भारत में प्राकृतिक रबर की खपत 2030 तक 20 लाख टन तक पहुंचने का अनुमान है और घरेलू उत्पादन में तेजी लाने की आवश्यकता है, यदि हां, तो भविष्य में विकसित भारत-2047 के लक्ष्य प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं और क्या प्रोत्साहन दिया जा रहा हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): रबर बोर्ड द्वारा भारत में प्राकृतिक रबर की खपत वर्ष 2024-25 में 14.10 लाख टन होने की सूचना दी गई है। देश में प्राकृतिक रबर की खपत संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, सरकार, रबर बोर्ड के माध्यम से, "प्राकृतिक रबर क्षेत्र का सतत और समावेशी विकास" योजना का कार्यान्वयन कर रही है, जिसके अंतर्गत देश में प्राकृतिक रबर की उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यकलाप संचालित किए जाते है। इस योजना के अंतर्गत, रबर बोर्ड पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों क्षेत्रों में प्राकृतिक रबर के रोपण/पुनःरोपण, वर्षा से सुरक्षा, बेहतर कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और रोग नियंत्रण के लिए वित्तीय/तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, रबर बोर्ड द्वारा ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) के सहयोग से पूर्वोत्तर में 200,000 हेक्टेयर क्षेत्र में रबर के बागान विकसित करने हेतु एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। अभी तक, इस परियोजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र में 150,915 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक रबर की रोपाई की जा चुकी है।

*****